IPSA TIMES

IPS ACADEMY, INDORE

■ Total Pages : 4 ■ Volume : 4 ■ 2018 ■ Free Distribution

कई सौगातें लेकर आया आईपीएस एकेडमी का सिल्वर जुबली वर्ष

सभी विद्यार्थियों का होगा बीमा

Ankit Parmar
Akash Rawal
BAMC 1st Sem

आईपीएस एकेडमी के विद्यार्थियों को आगामी वर्ष में रु.1,00,000 का ग्रुप इंश्योरेंस और मेडिक्लेम देने का फैसला पिछले दिनों हुई एक मीटिंग में हुआ, जिसका लाभ एकेडमी के 10,000 से अधिक विद्यार्थियों को मिलेगा। साथ ही आगामी वर्ष में एकेडमी की यूनिफॉर्म बदलने पर भी चर्चा हुई। यूनिफॉर्म का स्वरूप निर्धारित करने के लिए भी कमेटी बनाई गई है। एकेडमी के चेयरमैन अचल चौधरी सर ने उच्च पदाधिकारियों की बैठक में यह घोषणा की।

इसके अलावा एकेडमी में कई प्रकार के विकास कार्य प्रगति पर हैं, जिसमें मुख्य रूप से इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड लेबोरेटरी एजुकेशन की नई बिल्डिंग का कार्य शामिल है, जिसमें विद्यार्थियों को राष्ट्र स्तरीय साइंस लैब, कम्प्यूटर लैब, सर्वसुविधा युक्त क्लासरूम और लिफ्ट जैसी कई सुविधाएँ दी जाएँगी।

खेल मैदान पर भी मैनेजमेंट का विशेष ध्यान है, जिसके लिए मैदान में 5 नई क्रिकेट पिच, 4 नए बैडमिंटन कोर्ट, लॉन टेनिस, वॉलीबॉल और बास्केटबॉल के लिए भी 2-2 कोर्ट होंगे। साथ ही पुराने हॉर्स राइडिंग ग्राउंड और स्वीमिंग पूल का रेनोवेशन किया जा रहा है और नए हॉर्स राइडिंग ग्राउंड, फुटबॉल फील्ड, एथलेटिक्स फील्ड, स्वीमिंग पूल, डाइविंग वेल का कार्य भी प्रगति पर है, जिसे शीघ्र ही पूरा कर दिया जाएगा।

कई कार्य प्रगति पर

एकेडमी में एक और गर्ल्स हॉस्टल बिल्डिंग, स्ट्रीट लाइटिंग, ट्री प्लांटेशन, बेसमेंट पार्किंग, डांस एंड म्युजिक हॉल एवं ओपन एयर थियेटर का कार्य भी शीघ्र ही प्रारंभ किया जाएगा।

● **शान चौधरी**
सिविल वर्क प्रभारी

25 saal bemisal

Palak Tiwari
BAMC 3rd Sem

Indore Professional Studies Academy (IPSA) is one of the central India's largest educational hub-premises, serving for the past 25 years and playing a major role as one of the most preferred Educational Center. The silver jubilee celebration itself is a major achievement that recounts immense contribution and vision realized by Ar. Achal Choudhary Sir. An Institution sprawled in a beautiful area of 60 acres, 3 campuses with an astonishing achievement in the sphere of curricular and co-curricular activities. Dedicated to honor about 80 courses affiliated to various universities of India with the true talent and creativity of around 11,000 students who are at once ready to grab the nerve of any industry.

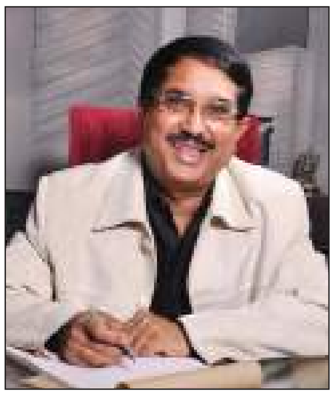

Ar. Achal Choudhary

Indore Public School, since its Inception in 1987, over three decades ago, carved a niche in the state of Madhya Pradesh for itself. It has set new benchmarks in providing quality education to about 100000 students. CARE, CAPACITY, CAPABILITY with this institution pledge to leave no stone unturned to provide opportunities for students to be prepared and trained to lead the society in all sectors.

एकेडमी में 80 से अधिक कोर्स

Abhay Shukla
Shivangi Jha
BAMC 3rd Sem

राजेंद्र नगर स्थित आईपीएस एकेडमी में दस नये कोर्सेस का संचालन शुरू किया गया है। एडमिशन इंचार्ज डॉ. एस.एल. काले ने बताया कि एकेडमी में पूर्व से ही 71 कोर्सेस का संचालन किया जा रहा है। शैक्षणिक सत्र 2018-19 से सात नए कोर्स कंप्यूटर इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस एंड इंफॉर्मेशन, सेफ्टी एंड फायर इंजीनियरिंग शुरू किए गए। बीएससी, पीसीएम, बीबीए एलएलबी, एलएलएम कोर्स शुरू किए गए हैं और तीन अन्य कोर्स बी.कॉम, बीबीए ऑनर्स और बीए इकोनॉमी ऑनर्स अगले वर्ष से प्रारम्भ किये जाएँगे। इसके साथ ही कॉलेज में उपलब्ध कोर्स की कुल संख्या 80 से भी अधिक हो चुकी है। इस उपलब्धि पर एकेडमी के प्रेसिडेंट श्री अचल चौधरी ने कहा है कि ये सभी कोर्स छात्रों के कौशल विकास में सहायक सिद्ध होंगे व रोजगार के सुनहरे अवसर प्रदान करेंगे।

Start-up at IPSA

Mayurraj Singh Goud
Amarpreet Kaur
BAMC 3 rd Sem

Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises (MSME) established an incubation center at IPS Academy Institute of Engineering and Science on 5th May 2018. The center is established to promote budding industrialists where IPS Academy will be provided a grant of Rs 66 lakh by the MSME. 10 students will be provided with 6.6 lakh for their start-up business ideas. Achal K Chaudhary sir also decided to give a sum of 25 lakh to the center. The chief guest of the programme was minister of higher education Mr. Deepak Joshi.

IPSA ranked amongst the Top Architecture Colleges

Anjali Patel
Vishnu Yogi
BAMC 3rd Sem

National Association of Student of Architecture (NASA) India, ranked school of architecture one of the top three architecture institute of India 2018. School of architecture take pride of enlist in the band of top 20 best college of India. According to a survey conducted by India today, Ar. Manita Saxena said "It's a matter of immense pride for school of architecture and the staff. It would not have been possible without hard work and dedication of our team and vision of our president. This achievement will give news heights to the institutions in future"

Ar. Manita Saxena

Farhaan brings laurel to IPSA

Rashi Pendse
Neeraj Mandloi
BAMC 3rd Sem

An interview with class II civil judge Mr. Farhaan Masood Qureshi was taken, who has been a student of IPS Academy Indore. He told about the hard work he did for this high profile exam. He also said it's not very easy to get through all the hurdles and through the cut- throat competition level he faced. He further explained the meaning of class II civil judge.

Courts of Judicial Magistrate of Second Class are at the lowest hierarchy of the Criminal Court structure in India. The training program would be started very soon and he's prepared for it.

Farhaan

We got to know that in civil courts the promotion opportunities are very promising. IPS Academy has played a crucial role in his achievement and he is very thankful to the institution.

विकराल रूप लेती पार्किंग की समस्या

Vishnu Yogi
BAMC 3rd Sem

देश में वर्तमान में एक नई समस्या आ गई है, लेकिन इसे गंभीरता से नहीं देखा जा रहा, जो है वाहनों की बढ़ती संख्या। इसका कारण है कि आज अधिकतर लोगों के पास एक या एक से अधिक निजी वाहन हैं। इससे विभिन्न समस्याएं उत्पन्न हो रही है जैसे लंबे-लंबे जाम लगना, सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ोतरी, गाड़ियों के धुएँ से वायु प्रदुषण और इसमें वाहनों को रखने की समस्या भी अब प्रमुखता से जुड़ गई है। लोग वाहन खरीद तो लेते हैं परंतु उनको रखने की पर्याप्त जगह नहीं होने के कारण है वह सड़क किनारे खड़े कर दिए जाते हैं, जिससे आने जाने वाले लोगों और वाहनों को दिक्कत

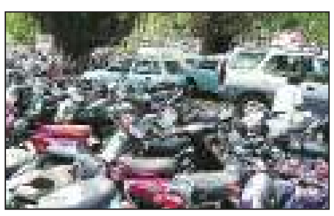

तो होती ही है, साथ ही दुर्घटना की आशंका भी रहती है। सरकार को चाहिए कि सबसे पहले पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सुधार करें जिससे लोग इसका अधिक से अधिक उपयोग करें, बड़े व्यावसायिक वाहन के पंजीयन से पहले यह अवश्य जांच करें कि उसे रखने की जगह है या नहीं। जो बहुमंजिला आवासीय इमारतें बनाई जाती हैं उन सभी में अंडरग्राउंड पार्किंग अनिवार्य हो। घर के बाहर सड़क पर वाहन खड़ा करने पर कार्यवाई की जानी चाहिए। घर में पार्किंग की जगह की उपलब्धता के आधार पर ही वाहनों का पंजीयन किया जाए। सरकार को ऐसे नियमों को लागू कराने पर गंभीरता से विचार करना होगा अन्यथा भविष्य में हमारे सामने यह सवाल विकराल रूप ले लेगा कि बच्चों के लिए पार्क बनें या वाहनों के लिए पार्किंग?

Editorial

Roohan Qureshi
BAMC 5th Sem

विचारहीनता की ओर अग्रसर छात्र राजनीति

राजनीति किसी भी शासन व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण अंग है, क्योंकि उसी के आधार पर उस राज्य की दिशा एवं दशा तय होती है। यहाँ हमें इसे समझने के लिए 'राज्य' की अवधारणा की विवेचना, देश के एक अंग के रूप में नहीं अपितु उस देश की 'शासन शक्ति' के रूप में करने की आवश्यकता है। लोकतंत्र में विचार आधारित राजनीति बहुत जरूरी है खासकर तब, जब बात भारत जैसे विश्व के विशालतम एवं 'सर्वाधिक बहुलतावादी' लोकतंत्र की हो, जहां पर विविध संस्कृतियां एवं विचार, सदियों के पारस्परिक सहयोग से उत्पन्न, पोषित और प्रसारित हुए हैं। इसे भारत की शासन व्यवस्था की सुंदरता ही कहा जाएगा कि यहाँ एक नागरिक को अपनी प्रारंभिक शिक्षा से ही राजनीति में आने का विकल्प उपलब्ध है। छात्रावस्था से शुरू हुई राजनीति ही नेता के राजनैतिक जीवन का आधार बनती है क्योंकि जो विचार व्यक्ति के तरुण मन में प्रवाहित किये जाते हैं, वे समय के साथ पोषित होकर और दृढ़ हो जाते हैं तथा आजीवन उसका राजनैतिक मार्ग प्रशस्त करते हैं।

किन्तु आज के समय में यह देखने में आ रहा है कि भारत की छात्र राजनीति विचारहीनता के मार्ग पर चल पड़ी है। जेएनयू, डीयू, बीएचयू जैसे कुछ अग्रणी और उत्कृष्ट विश्वविद्यालयों को छोड़ दें तो देश के अधिकतर विश्वविद्यालयों में छात्र राजनीति में विचारधारा हाशिये पर पड़ी नजर आती है और उसकी जगह वंशवाद, स्थापित नेताओं की चाटुकारिता और सत्ता समर्थित राजनीति ने ले ली है। आज छात्र राजनीति के नाम पर शैक्षणिक संस्थानों के परिसरों को गुंडागर्दी और अनुशासनहीनता का अड्डा बना दिया गया है। इस समस्या से न केवल देश की सबसे पुरानी राजनैतिक विचारधाराएँ, दक्षिणपंथ और वामपंथ कहीं न कहीं त्रस्त नजर आती है बल्कि वह समाजवादी विचारधारा भी इससे परेशान है जिसके गर्भ से सत्ता विरोध का पर्याय माने जाने वाले 'जयप्रकाश आंदोलन' के समय ऐसे छात्र नेता निकले थे जो गैर-राजनैतिक पृष्ठभूमि से आने के बावजूद, अपने कौशल और राजनैतिक चातुर्य के दम पर आगे चलकर देश के अग्रणी नेताओं की पंक्ति में शुमार हुए।

निष्कर्ष यह है कि छात्र राजनीति को पुनः सिद्धान्त और विचार पर लौटना होगा अन्यथा देश को आगे चल कर नीति निर्माताओं के नाम पर वंशवाद, अवसरवाद और सत्ता लोलुपता के ऐसे 'संकर उत्पाद' मिलेंगे जो जनता की आवाज बनने की बजाय उसका दमन करने वाले सिद्ध होंगे।

फिर मौसम आया चुनावों का झूठे कसमें वादों का...

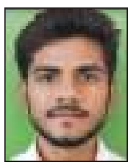

Abhay Shukla
BAMC 3rd Sem

देशवासियों में इतनी आतुरता तो 21वीं सदी में जाने को लेकर नहीं रही होगी, जितनी व्यग्रता 2019 के चुनाव को लेकर है। नीतियाँ निर्धारित हो रही हैं। भाषणों की बौछार शुरू हो चुकी हैं। टीवी पर निष्कर्षहीन बहस चल रही है, जिनमें कई अलिखित नियम होते हैं। चर्चा भले सतही की जाए, मगर जोर देकर हो। उपयोगी भले ना हो, मगर दिलचस्प होने की गारंटी हो। कुछ रोचक वाक्य, कुछ जुमलों से भरपूर मनोरंजक चर्चा। सड़क (छाप) प्रदर्शन से लेकर सजे हुए रथ पर यात्राएं। बुनियादी चीजों से भले ही वंचित रहे, मगर भोला-भाला देशवासी भाषणों से वंचित ना रहने पाये।

भाषण देना भी एक कला है। इस विधा में यदि नोबेल मिलता तो हमें दूसरे मुल्क ताकते रह जाते। राशन पर भाषण है, पर भाषण पर राशन नहीं। निजी कष्टों का छाता तान देशवासी, भाषणों की बरसात झेलने के आदी हो चुके हैं। यह आजादी का 72वाँ वर्ष है, जिसमें एक ऐसी स्थिति है जो न 71वें वर्ष में आई और ना 73वें वर्ष में आएगी। आजादी की लड़ाई में बापू और उनके अनुयायी क्या सोचते और क्या करते रहे होंगे कोई नहीं जानता था कि आगे क्या होगा? लेकिन आजादी के इस वर्ष में देश के सभी नेता, वे चाहे विपक्ष के हो या फिर सत्ता पक्ष के सभी एक दिशा में एक तरीके से सोच रहे हैं। विपक्ष देशवासियों को सत्ता से

मुक्ति दिलाना चाहता है, वहीं सत्ता पक्ष के शीर्ष नेता चिल्ला रहे है कि आ देखें जरा, किस में कितना है दम?

नई सरकार के गठन में अभी कई महीने बाकी हैं। अंतर्विरोध में तालमेल बैठने की कवायद चालू है। सत्ता हासिल करने की आतुरता और टकराव के बीच मतदाता भी अपनी बौखलाहट उजागर करने को आतुर है।

हमारा समय, शिक्षा और भाषा

Krishna Kanhaiya Choudhary
BAMC 5th Sem

जिस देश में प्राथमिक शिक्षा ही सामान्य जन के लिए कठिन हो, वहां उच्च शिक्षा विशिष्ट मामला है। शिक्षा हमारे सर्वांगीण विकास हेतु है। शिक्षा में ऐसी गुंजाइश होनी चाहिए कि व्यक्ति का सामाजिक व सांस्कृतिक जुड़ाव बेहद सक्रिय हो। वह समाज का टापू न लगे। यदि टापू भी हो तो सृजनशीलता का मन लिए हो, जिसमें कॉमनमैन भी बसा हो। यदि इतिहास पढ़ते हुए हम अपने पुरखों से लेकर आज के समय का विश्लेषण नहीं कर सकते तो इतिहास महज घटनाओं का सम्पुंजन है। यदि साहित्य से रससृष्टि, संवेदन तथा दृष्टिबोध सम्भव न हुआ तो उसका क्या अर्थ है। समाज को भी चाहिए कि ऐसे विषयों के प्रति उदासीनता न बरते तथा कैरियर के साथ-साथ इन्हें भी समान महत्व दे ताकि समाज व व्यक्ति के संबंध और सुदृढ़ हों और व्यक्ति का मानसिक विकास संभव हो। विश्वविद्यालयों में अध्ययन के बाद भी भारी संख्या में युवा बेरोजगार हैं। कुछ को छोड़ दें तो ज्यादातर विषयों का जीवन की वास्तविकताओं से लगाव कम ही होता है। शिक्षा और मातृभाषा के संबंध पर विचार आवश्यक है। मातृभाषा अपने माता-पिता से प्राप्त भाषा है। उसमें जड़ें हैं, स्मृतियाँ हैं व बिंब भी। मातृभाषा एक भिन्न कोटि का सांस्कृतिक आचरण देती है। जो किसी अन्य भाषा के साथ शायद सम्भव नहीं इसलिए शिक्षा में इसका महत्व है।

संस्कृति का कार्य विश्व को महज बिंबों में व्यक्त करना नहीं, बल्कि उन बिंबो के जरिये संसार को नूतन दृष्टि से देखने का ढंग भी विकसित करना है। औपनिवेशिकता के दबावों ने ऐसी भाषा में दुनिया देखने के लिए विवश किया गया था, जो दूसरों की भाषा रही है। उसमें हमारे सच्चे सपने नहीं आ सकते थे। साम्राज्यवाद सबसे पहले सांस्कृतिक धरातल पर आक्रमण करता है। वह हमारी ही भाषा को हीनतर बताता है। लोग अपनी भाषा से कतराने लगते हैं और विश्व की दबंग भाषाओं के प्रभुत्व को महिमामंडित करने लगते हैं। गर्व से कहते हैं कि मेरे बच्चे को मातृभाषा नहीं आती। इस तरह शिक्षा का वर्गांतरण होता जाता है।

शिक्षा को समझने के कई सूत्र होते हैं। मातृभाषा उनमें सर्वोपरि है। उसमें अपनी कहावतें, लोककथाएँ, कहानियाँ, पहेलियाँ, सूक्तियाँ होती है जो सीधा हमारी स्मृति की धरती से जुड़ी होती है। उसमें किसान की शक्ति होती है। उसमें एक भिन्न बनावट होती है। एक विशिष्ट सामाजिक और मनोवैज्ञानिक बनावट जिसमें अस्मिता का रचाव होता है।

अपूर्व अटल

Shankar Goyal
BAMC 5th Sem

भारतीय राजनीति का अध्याय 'अटल बिहारी वाजपेयीजी' के देहांत के साथ समाप्त हो गया। उन्होंने अपने नाम की ही तरह अटल इरादों वाले उदार, विवेकशील, निडर, सरल-सहज राजनेता के रूप में अपनी अत्यन्त लोकप्रिय छवि स्थापित की। एक ओजस्वी वक्ता, कवि, पत्रकार, और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति आस्थावान, उनका व्यक्तित्व सभी को प्रभावित करता है।

'इससे मैंने पाया तन मन
इससे मैंने पाया जीवन
मेरा तो बस कर्तव्य यही कर दूँ
सब कुछ इसके अर्पण
मैं तो समाज की थाति हूँ
मैं तो समाज का हूँ सेवक
मैं तो समष्टि के लिए व्यष्टि का
कर सकता बलिदान अभय।'

अटलजी की यह पंक्तियाँ उनके जीवन को परिभाषित करने के लिए काफी हैं। भारतीय राजनीति में, संवाद और तर्क-वितर्क की जो प्रथा उन्होंने शुरू की वह प्रशंसनीय है। भारतीय राजनीति में एक सर्वमान्य नेता के रूप में अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले श्री अटल बिहारी वाजपे देशसेवा, राष्ट्रीयता,भारतीय संस्कृति, मानवीयता तथा उच्च जीवन मूल्यों के प्रतीक थे।

वे 'संकल्प-शक्ति' तथा 'कुसुम कोमल हृदयता' का अद्भुत मेल थे। वे पहले भारतीय राजनेता थे जिन्होंने

यूएन जनरल असेंबली में हिंदी में भाषण दिया था। ये उनकी हिंदी भाषा के प्रति समर्पण भाव को दर्शाता है। अटलजी ने पांच साल गठबंधन की सरकार को सफलतापूर्वक चलाकर अपनी राजनितिक कौशलता का परिचय दिया। ये उनकी भारतीय राजनीति में व्यापक स्वीकारोक्ति को दर्शाता है। निःसंदेह अटलजी भारतीय राजनीति के अजातशत्रु थे।

मनुष्य का जीवनलेखा

Abhishek Pandey
BAMC 1st Sem

एक व्यक्ति जब जन्म लेता है, तब उसे कुछ पता नहीं रहता है कि उसके आस-पास क्या चल रहा है। कुछ समय के बाद वह चलने-फिरने की उम्र में आता है तब उसे कुछ समझ में आने लगता है, फिर भी उसे किसी का भय नहीं होता। वह आनंदमय जीवन जीता है। उसका पूरा वक्त खेल में ही रहता है। वह अपने माता-पिता व परिवार जन का बहुत प्यारा होता है। उसका पूरा ध्यान मस्ती में रहता है। फिर कुछ समय में जीवनचर्या बदलती है और वह विद्यालय में प्रवेश लेता है। तब पढ़ाई का बोझ कम रहता है, फिर धीरे-धीरे वह आगे बढ़ता है और पढ़ाई का बोझ भी बढ़ता जाता है। व्यक्ति जैसे-जैसे आगे बढ़ता है उसका कई नए लोगों से परिचय होता जाता है। बाहरी दुनिया से परिचय होता है। फिर वो महाविद्यालय में प्रवेश करता है। तब और कई नए व्यक्तियों से परिचय होता है, और फिर उस व्यक्ति पर सभी जगह से थोड़ा बोझ बढ़ता है जैसे पढ़ाई का, परिवार का, काम का आदि। अपने माता-पिता और परिवारजन को देखते हुए, उसे अपनी एक अलग राह बनानी होती है।

जिस राह पर उसे अपने माता-पिता को लेकर चलना पड़ता है और उसको वह व्यक्ति अपने जीवन का एक हिस्सा मान कर चलता है। फिर उस व्यक्ति के जीवन में संघर्ष बहुत बढ़ जाता है। जैसे पढ़ाई पूर्ण होने पर उसे अपने माता-पिता और अपनी जरूरतें पूर्ण करने के लिए नौकरी ढूंढनी पड़ती है। जब व्यक्ति अपने उचित पद या कार्य पर पहुंचता है फिर वो व्यक्ति अपने दाम्पत्य जीवन में प्रवेश लेता है। फिर उसके आंगन बाल मनुहार का आगमन होता है। उनका पालन पोषण कर उन्हें बड़ा करना, फिर उन्हें अपने पैर पर खड़ा करने की चिंता पल-पल लगी रहती है। फिर उसके बच्चे बड़े होते हैं तब उनके विवाह की चिंता, फिर उसके स्वास्थ्य में खराबी आने लगती है। फिर स्वस्थ के लिए भी उस व्यक्ति का संघर्ष बढ़ जाता है। फिर धीरे-धीरे जैसे उसकी उम्र होती जाती है, उसका स्वस्थ और बिगड़ने लगता है। फिर कुछ समय पश्चात उस व्यक्ति की सहनशीलता खत्म हो जाती है। आखिर में उसका देवलोकगमन हो जाता है और इस तरह से मनुष्य का जीवन से संघर्ष समाप्त होता है।

Advancement and Creative Education in Mass communication

Ethenic day was celebrated on the first day of Navratri by mass communication department. A wonderful traditional Garba performance was done by Mehak Salvi.

Ayushi Yadav, Rashi Pendse Deepti Saraf
BAMC 3rd Sem

The Department of Mass communication has organized various educational trips and activities to evolve the students and make them learn about the things which are required for the development.

IPS Academy Indore has provided many opportunities for the mass communication department. Students are indulged in various activities like news reporting, TV, radio, photography, script writing. All these activities are learned practically in the campus itself.

In 2018 new equipments have been brought for the students of mass communication department. Through this they learn about new techniques and features of the gadgets.

Educational tours was helt to the various places for over all development of the students and to create vision for the new thinking. Various new things were learnt by the students on the trip.

A one day trip was organized in mid November to Mandav. It was a fun filled trip where students had the opportunity to learn about natural environment. A three day trip was organized in April first week to Udaipur. A one day trip was organized to Maheshwar and Mandleshwar by road. First we visited Maheshwar Fort and witnessed the beauty of river Narmada. Students of mass communication department have visited DainikBhaskar printing press plant. The objective of this visit was to assist students to understand the printing press processes and make them aware of the printing constraints. The production head of Dainik Bhaskar attended the students.

He personally explained the pre and post printing process as well as the distribution process in a detail.

Inspiration from RJ Karishma

On the farewell of seniors in 2018 R.J Karishma who was the student of mass communication (IPS) came as a chief guest to talk to everyone of us and shared her journey with us. She is one of the best R.J's in Indore. She talked about how the recruiters liked her originality. She said that IPSA played a vital role in her suceess.

Global Colloquium In Pharmacy

Vedangi Dubbalwar
Shikha Tiwari
BAMC 1st Sem

IPSA College of Pharmacy will be organizing it's second international one day colloquium on Global integration of opportunities in health care management on 31st November, 2018 at Institute of Engineering Science Building. Four international speakers from USA and Dominican Republic, Dr David Terrero (Dominian Republic), Dr Fedrick E. William (Toledo, USA), Dr Youssef Sari (Toledo, USA) and Dr Amit Kumar Tiwari (Toledo, USA), will deliver their thoughts on this occasion. This colloquium is an important and relevant one as it will address various current issues of global pharmacy profession. Chief Guest of the colloquium is Dr Shailendra Saraf, Vice president of pharmacy council of India and will be presided by Dr Piyush Trivedi, Former Vice Chancellor, Rajiv Gandhi Technical University, Bhopal.

They all are hoping that they will be able to develop collaborative system for organizations and researchers.

Induction program was held at IBMR. Minister of Technical Education in MP Government Mr. Deepak Joshi was chief guest and the Guest of Honor was Dr. Narendra Dhakad, Vice Chancellor of DAVV Indore.

Skill Development Program

Mahima Sharma

Under our Skill Development Program for placements almost 52 hours of training was imparted for improving numerical aptitude to College of Commerce and School of Computers students. Learning various concepts and ability to solve mathematical problems accurately and with speed was the main objective of these sessions.Under the same program almost 100 hours of Soft Skill Development classes were held for graduate, undergraduate and Post graduate students from department of ISLE, Computer Science, and Commerce. Topics ranging from Group discussions, Body language, Interview techniques, basic eittiquettes, basic English grammar ,how to give and solicit feedback, self motivation, personal grooming, mock interviews, communication skills, and personality development was covered. Regular classes on E-ship creative writing and CRM was also conducted by the department for various courses.

Expert lecture on Organic Compound

Department of Chemistry ISLE has conducted an expert lecture on Organic Compound and their applications on Human Society by Dr. Vinod Kumar Tiwari, Eminent Professor, Banaras Hindu University. Dr. Tiwari explained how organic compounds plays an important role in human life and society. Dr. Tiwari explained how the entire body of a man is made up of organic compounds and behind each development, behavioral change in the human body ,nature, character, depends only on these molecules. Describing the most popular drug aspirin, Dr Tiwari explained how excessive use of aspirin can cause bleeding.

Dr. Tiwari

Tourism Day

Tourism day was celebrated on 26th September in IPS Academy. Dr Uttam Yadav Director of zoo was invited as the chief guest, He provided information about wildlife and Indore zoo. Director of SOTT Shri S D Malviya and other faculty members were present during the program. A presentation was given by the seniors of tourism department about archaeological places. Dance and music performances were given by the 1st year students on the occasion to promote awareness in cultural activities and to enhance the talent of students particularly in the field of music. **-Vivek Kuthey, Saumya Rao, Sakshi Verma**

मुंबई में दिखाई प्रतिभा

स्कूल ऑफ फाइन आर्ट की विभागप्रमुख प्रो. नवीना गंजू के चित्रों की प्रदर्शनी मुंबई में आयोजित की गई। प्रदर्शनी का आयोजन आर्ट लैंड इंडिया ने 25 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक किया था। प्रो. नवीना गंजू के चित्रों में प्रकृति और वन्य जीवन के साथ मनुष्य के रिश्तों को सराहा गया। चटख रंगों में पेड़ और बाघ के चित्र ने कलाप्रेमियों का ध्यान आकर्षित किया।

प्रदर्शनी में केनवस पर ऑइल से बनाये गए 10 चित्र शामिल किए गए। ये चित्र एक अन्य चित्रकार समीर कुमार की चित्रकृतियों के साथ नुमाया किये गए। श्रीमती गंजू अपने चित्रों में लंबे समय से प्रकृति को आधार बना कर चित्रकृतियां रच रही हैं और उन्होंने अपना मुहावरा और शैली विकसित कर ली है। **-नितिन पाटीदार**

सुमित बने आईपीएस के टशनबाज

आईपीएस एकेडमी में 93.5 रेड एफएम द्वारा 'कॉलेज के टशनबाज' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आरजे करिश्मा और आरजे वेणु विद्यार्थियों के आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम में टशनबाजों ने नृत्य, संगीत, हास्य व्यंग्य आदि से परिपूर्ण प्रस्तुतियां दीं। प्रथम स्थान जनसंचार विभाग के सुमित मंडलोई ने प्राप्त किया और उनका चयन रविंद्र नाट्यगृह में होने वाले ग्रैंड फिनाले के लिए किया गया। सुमित रियलिटी टीवी शोज जैसे डीआईडी, इंडियाज गोट टैलेंट में हुनर दिखा चुके हैं। **-आदित्य मालवीय**

सुमित मंडलोई

Students of Institute of Engineering and Science got award in Youth Conclave for Smart Dust Bean. Smart Dust Bean is Sensor based and it can segregate garbage. Faculty and students of IES with their smart dustbin project.

ICSR students visited Ashtha old age home.

Coffee Table Book of IPS Academy was launched by Ex President of India Mrs Pratibha Patil.

Ar. Achal K Choudhary, President, IPS Group of Institutions receiving Bhaskar Eminence Award for Education from Central health and family Minister Ashwini Kumar Choubey.

'STUTI' Ganesha Painting Exhibition 2018 at School of Fine Arts.

हिंदी दिवस पर तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मंगला जैन ने किया। अतिथियों का स्वागत डॉ. ममता गोखे तथा प्रोफेसर ज्योति जायसवाल ने किया। विभागाध्यक्ष डॉ. शालिनी माथुर ने हिंदी का महत्त्व बताया। धन्यवाद एवं आभार प्रोफेसर अलका सक्सेना ने माना। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर देवरत सेंगर तथा द्वितीय स्थान पर ऋषिकेश रहे। मुख्य अतिथि के रूप में फाइन आर्ट्स के डायरेक्टर अमित गंजू , निर्णायक डॉ. रागिनी सिंह, प्रोफेसर अरविन्द जोशी थे।

Teacher's Day Celebration at IPS Academy.

Independence day Celebration at IPS School ground.
All pictures : A.L. Hanfee & Neeraj Mandloi, Sumeet Mandloi

Placement drive for journalism and mass comm students for black and white media house.

2018 CSI visited the School of Computers IPSA Indore . Dr. D.K. Mishra deliverd lecture.The director of school of computers IPSA Dr. D.M .Puntambekar , Head of Department Dr. Manish Pundlik were also present in the seminar.

Published by Department of Journalism and Mass Communication, IPSA, Knowledge Village, Rajendra Nagar, Indore.
● Editor: Prof Amin Qureshi ● Tel No 0731 4014790 ● Mobile No 8989898802 ● Email : hod.masscomm@ipsacademy.org

Published for Practical purpose only